इंदौर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 146
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

ज़िंदा रहते अकेले, मरने के बाद भी पराये

अक्षय की बात अपनों के साथ

इंदौर से आई एक खबर ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। इंदौर में एक पिता का शव चूहों द्वारा कुतरे जाने की घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारे समय की सबसे कड़वी सच्चाई का आईना है। इससे भी ज्यादा दर्दनाक यह कि उस पिता के तीन-तीन बेटे होने के बावजूद, कोई भी अंतिम समय में अपने पिता को लेने नहीं आया।

यह सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं है, यह उस सामाजिक सोच का पतन है जहां 'अपनों' की परिभाषा अब सुविधाओं से तय होती है, संस्कारों से नहीं। कभी वही पिता अपने बच्चों की एक मुस्कान के लिए दिन-रात मेहनत करता था। अपनी इच्छाओं को मारकर बच्चों के सपनों को जीता था। बच्चों की पढ़ाई, नौकरी, और बेहतर भविष्य के लिए अपनी पूरी ज़िंदगी खपा देता है। लेकिन जब वही पिता उम्र के उस मोड़ पर पहुंचता है, जहां उसे सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब वही बच्चे उसे 'बोझ' समझने लगते हैं।

आज का आधुनिक जीवन, विदेशों की चकाचौंध, और करियर की अंधी दौड़ ने रिश्तों को पीछे छोड़ दिया है। माता-पिता अब 'जिम्मेदारी' नहीं, 'ऑप्शन' बनते जा रहे हैं। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे।

यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार खबरें आईं कि बच्चे विदेश में बस गए और यहां माता-पिता अकेलेपन में दम तोड़ते रहे। कभी महीनों तक शव घर में पड़ा रहा, तो कभी अंतिम संस्कार के लिए भी पड़ोसियों को आगे आना पड़ा।

सवाल यह नहीं है कि बच्चे विदेश क्यों जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या तरक्की की कीमत इतनी बड़ी होनी चाहिए कि हम अपने माता-पिता को ही भूल जाएं? हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं? सफलता का मतलब क्या सिर्फ पैसा कमाना रह गया है? अगर हां, तो यह सफलता नहीं, एक खतरनाक असफलता है।

संस्कारों की सबसे बड़ी परीक्षा तब होती है, जब हमारे पास विकल्प होते हैं। आज के बच्चों के पास विकल्प हैं—लेकिन वे रिश्तों के बजाय सुविधा चुन रहे हैं। इस घटना ने हमें एक चेतावनी दी है। अगर आज हम नहीं चेते, तो कल यही कहानी हमारे घरों में भी दोहराई जा सकती है। जरूरत है कि हम अपने बच्चों को सिर्फ अच्छी शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी दें। उन्हें यह समझाएं कि माता-पिता कोई 'पुराना सामान' नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। क्योंकि जिस दिन माता-पिता के आंसू हमें दिखाई देना बंद हो जाएंगे, उस दिन हमारी इंसानियत भी खत्म हो जाएगी।

यह सिर्फ एक खबर नहीं... यह समाज के गिरते हुए मूल्यों की अंतिम चेतावनी है।

न्यूज ब्रीफ

- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गैस पाइपलाइन धमाका, 8 लोगों की मौत
- दिल्ली के अस्पताल में मरीज ने दी 5वीं मंजिल से कूदने की धमकी, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी
- नरेला की प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग, करीब 1 दर्जन दमकल गाड़ियां मौके पर
- बिहार में नई एनडीए सरकार बनने के बाद जेडीयू ने बुलाई विधायक दल की बैठक
- ईरान युद्ध खत्म होने की उम्मीद में तेल कीमतों में गिरावट
- न्यूयॉर्क को बर्बाद कर रहे हैं जोहरान ममदानी : ट्रंप
- इज़रायल संग सीजफायर के बाद लेबनान में जश्न, बेरूत में आतिशबाजी और हवाई फायरिंग

राज्यसभा की राह पर कमलनाथ कांग्रेस खेलेगी मास्टर स्ट्रोक!

2028 की बिसात पर मास्टर स्ट्रोक

यदि इस निर्णय को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह केवल राज्यसभा सीट तक सीमित नहीं है। दरअसल, यह 2028 के विधानसभा चुनावों की रणनीति का भी अहम हिस्सा हो सकता है। कमलनाथ को राज्यसभा भेजना कांग्रेस के लिए एक 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकता है बशर्ते इसे सही तरीके से लागू किया जाए। कमलनाथ का अनुभव चुनावी प्रबंधन, उम्मीदवार चयन और राजनीतिक गठबंधनों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश की राजनीति इन दिनों एक बार फिर नई करवट लेने को आतुर दिखाई दे रही है। सत्ता और रणनीति के गलियारों में राज्यसभा चुनाव की आहट ने हलचल तेज कर दी है। मई-जून 2026 में प्रस्तावित तीन सीटों के चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण साधने में जुट गए हैं।

इसी कड़ी में कांग्रेस का ध्यान एक ऐसे चेहरे पर टिक गया है, जो अनुभव, संतुलन और संगठन तीनों का संगम माना जाता है। यह नाम है पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का, जो एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं विधानसभा चुनाव 2023 के बाद कांग्रेस के पास 65 विधायकों की ताकत थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह संख्या 62 के आसपास सिमट गई है। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों का समर्थन आवश्यक है, जो कांग्रेस के पास है।

हालांकि, यह गणित जितना सरल दिखाई देता है, उतना है नहीं। हरियाणा और ओडिशा जैसे राज्यों में हुए क्रॉस वोटिंग के अनुभव ने कांग्रेस को सतर्क कर दिया है। ऐसे में पार्टी किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है। यहीं पर कमलनाथ का नाम सबसे भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरता है। उन्हें 'मैनेजमेंट का माहिर' माना जाता है ऐसा नेता जो न केवल अपने विधायकों को एकजुट रख सकता है, बल्कि विरोधी खेमे की चालों को भी निष्प्रभावी करने की क्षमता रखता है।

अनुभव की पूंजी : मध्यप्रदेश की राजनीति में कमलनाथ का कद केवल एक नेता का नहीं, बल्कि एक संस्थान का है। दशकों की सक्रिय राजनीति, केंद्र में महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी और संगठन पर मजबूत पकड़। ये सभी गुण उन्हें एक विशिष्ट पहचान देते हैं। वे ऐसे नेता हैं, जिनकी स्वीकार्यता पार्टी के भीतर लगभग सर्वसम्मत है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह ऐसा उम्मीदवार चुने, जिस पर सभी विधायक एकमत हों। इस कसौटी पर कमलनाथ खरे उतरते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी उनके नाम को लेकर आश्वस्त नजर आता है।

■ **शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका :** वे भले ही राज्यसभा में हों, लेकिन प्रदेश की राजनीति पर उनका प्रभाव कम नहीं होगा। बल्कि, राष्ट्रीय स्तर पर रहते हुए वे एक रणनीतिक मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ ही यह निर्णय पार्टी के भीतर गुटबाजी को कम करने में भी सहायक हो सकता है। यदि जिम्मेदारियों का संतुलित वितरण किया जाए, तो संगठन अधिक एकजुट होकर आगे बढ़ सकता है।

■ **संगठन और संदेश का संतुलन :** कमलनाथ को राज्यसभा भेजना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि एक संदेश भी होगा कि कांग्रेस अपने अनुभवी नेताओं को सम्मान और जिम्मेदारी देने में विश्वास रखती है। इससे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मनोबल बढ़ेगा, वहीं युवा कार्यकर्ताओं को भी प्रेरणा मिलेगी। हालांकि, इस निर्णय के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती होगी प्रदेश में नेतृत्व का संतुलन बनाए रखना। कमलनाथ के राज्यसभा जाने के बाद कांग्रेस को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदेश में एक सक्षम और प्रभावी नेतृत्व तैयार रहे, जो संगठनात्मक गतिविधियों को गति दे सके।

■ **एक अवसर, एक चुनौती :** राजनीति में हर निर्णय अपने साथ संभावनाएं और चुनौतियां दोनों लेकर आता है। कमलनाथ को राज्यसभा भेजने का निर्णय भी इसी द्वंद का हिस्सा है। यदि कांग्रेस इसे केवल एक पद के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक रणनीति के रूप में देखती है, तो यह कदम उसे राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मजबूती प्रदान कर सकता है।

बिजली का नया टैरिफ सुबह सस्ती, शाम को महंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश में बिजली कंपनियों ने नए वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ ही उपभोक्ताओं को झटके लगाना शुरू कर दिए हैं। नियामक आयोग ने जहां बिजली दरों में बढ़ोतरी की है, वहीं कंपनियों ने पिक अवर्स याने शाम 6 से रात 10 बजे के बीच उपयोग की जाने वाली बिजली पर 20 फीसदी तक महंगी कर दी है। प्रदेश में पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी सहित सभी कंपनियों बिजली उपयोग के नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत 1 अप्रैल से नई दरें लागू हो गई हैं। टाइम ऑफ डे टैरिफ के अंतर्गत अब पीक ऑवर्स (शाम 6 से रात 10 बजे के बीच) बिजली का इस्तेमाल करना महंगा हो गया है। इस दौरान बिजली का उपयोग करने पर उपभोक्ताओं को सामान्य की अपेक्षा 10 से 20 प्रतिशत तक अधिक शुल्क देना होगा। कंपनी ने ईवी चार्जिंग के लिए भी पिक अवर्स में बिजली उपयोग 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाया है।

दिन में मिलेगी सस्ती बिजली

बिजली कंपनी के अनुसार सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली के उपयोग पर स्मार्ट मीटर वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 20 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। गौरतलब है कि नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली दरों में औसतन 4.80 प्रतिशत की वृद्धि की है। बिजली बिल कम रखने के लिए बिजली कंपनियों की सलाह है कि भारी उपकरण जैसे वाशिंग मशीन, गीजर, एसी का उपयोग दिन में 9 से 5 बजे तक करें और पीक ऑवर्स शाम 6 से रात 10 में उपभोग कम करें। वहीं माह में 150 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को पूर्व की तरह राहत मिलती रहेगी। निम्न दाब वाले ग्रामीण उपभोक्ताओं की दरों में विशेष बदलाव नहीं कियाा है।

कलेक्टरों के बाद अब मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के होंगे तबादले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में जल्द प्रशासनिक फेरबदल संभव है, जिसमें कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले होंगे। पी नरहरि केंद्र जा रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन के दिल्ली जाने की चर्चा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में बदलाव और नई नियुक्तियों की भी तैयारी है। मध्य प्रदेश में कलेक्टरों की तबादला सूची के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि शीघ्र ही मंत्रालय में पदस्थ अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों की एक तबादला सूची आ सकती है। इस सूची में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी नरहरि के स्थान पर किसी की पदस्थापना की जाएगी। नरहरि प्रतिनियुक्ति पर केंद्र सरकार में जा रहे हैं।

स्मिता भारद्वाज के रिटायरमेंट होने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल में अभी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस पद पर भी अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी को पदस्थ किया जाना है। इस फेरबदल में कोई एक दर्जन अधिकारियों के विभाग प्रभावित हो सकते हैं। इनमें ऐसे अधिकारियों के विभाग बदले जाएंगे जो पहले से ही कई विभागों को देख रहे हैं। इनमें अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी के नाम चर्चा में है। चर्चा में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव जी वी रश्मि का नाम भी है। इसके अलावा कुछ कमिश्नरों को सचिव बनाकर मंत्रालय लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यालय में दो नए अधिकारियों की प्रविष्टि हुई है। ये है कौशलेंद्र विक्रम सिंह जो भोपाल के कलेक्टर थे, जिन्हें सुपर टाइम मिलने के बाद अब सचिव बनाकर मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ किया गया है। दूसरे हैं सुधीर कोचर जो दमोह के कलेक्टर थे, जिन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में उपसचिव नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से एक उपसचिव विकास मिश्रा विदाई ले चुके हैं। उन्हें सीधी का कलेक्टर बनाया गया है। इन स्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों के कार्यों का नए सिरे से बंटवारा होगा।

मुख्य सचिव अनुराग जैन दिल्ली जाने की तैयारी में

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन के बारे में माना जा रहा है कि वे दिल्ली जाने की तैयारी में हैं। प्रशासनिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार उन्हें पीएमओ या नीति आयोग में सीईओ के रिक्त पद पर पदस्थ किया जा सकता है। यह पद 1987 बैच के सुब्रमण्यम के रिटायरमेंट के बाद से रिक्त है। अनुराग 3 अक्टूबर 2024 से मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। 1 सितंबर 2025 से उनका विस्तारित कार्यकाल चल रहा है जो अगस्त 2026 में पूरा होगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे मुख्य सचिव के रूप में विस्तारित कार्यकाल पूरा करेंगे या उसके पहले ही दिल्ली की ओर रुख कर लेंगे।

इंदौर में गर्मी का पारा हुआ तेज... सड़क पर चल रहे वाहन चालक गर्मी के प्रकोप से अपने तरीके से बचाव कर रहे हैं।

नए वित्तीय वर्ष में फिर लिया कर्जा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश सरकार की वित्तीय सेहत को लेकर खतरे की घंटी बज चुकी है। विगत सप्ताह राज्य सरकार ने 1800 करोड़ रुपये का नया कर्ज लिया है। इस बार कर्ज लेने की प्रक्रिया पिछले साल के मुकाबले एक महीने पहले ही शुरू कर दी गई है। इसके पीछे की मुख्य वजह केंद्र से मिलने वाले टैक्स के हिस्से में हुई कटौती और आरबीआई के नए नियम हैं, जिसने सरकार को शुरुआती महीनों में ही बाजार से पैसा उठाने पर मजबूर कर दिया है।

मध्य प्रदेश का चालू वित्त वर्ष (2026-27) का बजट करीब ?4,38,317 करोड़ का है, लेकिन राज्य पर कुल सार्वजनिक कर्ज अब 5,20,000 करोड़ के पार निकल गया है। यानी सरकार की कुल कमाई और खर्च के बजट से भी करीब 80,000 करोड़ रुपये ज्यादा का कर्ज प्रदेश पर लदा हुआ है। 2007 में जो कर्ज महज 52,731 करोड़ था, वह पिछले 20 सालों में 10 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है।

गौतम पार्क कॉलोनी का 'बकाया' खेला

कॉलोनी के बकाए के अतिरिक्त बिजली के विजिलेंस छापे को भी दिखाया ठेंगा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा क्षेत्र की कॉलोनी गौतम पार्क बनी चर्चा का विषय नगर परिषद का लाखों रुपए टैक्स बकाया होने के बाद अब बिजली विभाग के हजारों रुपए बकाया है। इतना ही नहीं गौतम पार्क कॉलोनी में बिजली चोरी के कहीं प्रकरण बने हैं, लेकिन अब तक बिजली विभाग को भुगतान नहीं किया गया। साथ ही जानकारी में पता चला है 3 से 4 प्रकरण विजिलेंस द्वारा भी बनाए गए लगभग 1 लाख से अधिक राशि विजिलेंस में बाकी है। कॉलोनाइजर को बिजली विभाग द्वारा कई बार नोटिस भी भेजे गए, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया। बिजली विभाग द्वारा कहीं बार लोक अदालत में निराकरण को निपटाने के लिए भी नोटिस दिए गए हैं, लेकिन कॉलोनाइजर ने वहां भी भुगतान नहीं किया। कॉलोनी के रहवासी असुविधाओं को लेकर लगातार परेशान है। वर्तमान स्थिति में ड्रेनेज की व्यवस्था नहीं है। देखा जाए तो कॉलोनी में बिजली चोरी से चल रही है। जानकारी में पता चला कॉलोनी का काम लव पाल नामक व्यक्ति देख रहा है, उन्होंने नगर परिषद बिजली विभाग को अंधकार में डाल रखा है। लव पाल ने ना नगर परिषद को टैक्स दिया और ना ही बिजली विभाग को, बिल दिया ऊपर से बिजली चोरी के प्रकरण बने हुए हैं। सूत्र बताते हैं लव पाल के पास गौतम पार्क कॉलोनी में 25 हजार स्क्वायर फीट की जगह है। टोटल डील पाल द्वारा की जाती है। इतना ही नहीं लव पाल अधिकारियों को अपने बड़े नेताओं से संबंध का हवाला देता है। मीठी-मीठी बातें कर कहीं ग्राहकों को भी पाल ने उलझा रखा है। कॉलोनी की सुविधाओं को दिखाकर उनके साथ धोखाधड़ी की गई सुविधाओं का ढिंढोरा पीटा गया, लेकिन जमीनी हकीकत और कुछ बयां कर रही है। सूत्रों से पता चला बिजली विभाग बड़ी कार्यवाही की तैयारी में है। जल्द ही बकाया राशि के कुर्की आदेश जारी होगे और वसूली की जाएगी लव पाल को भाजपा नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। कभी पत्रकारों का संरक्षण बताता है तो कभी विधायक का खास होने का रोब झाड़ता है, लेकिन कानून सबके लिए बराबर है न्यायपालिका से ऊपर कोई नहीं है। गौतम पार्क कॉलोनी को लेकर प्रशासन सवालों के घेरे में है अब तक नगर परिषद द्वारा कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की गई साथ ही बिजली विभाग की भी लापरवाही उजागर हुई है , नोटिस के अलावा अब तक इनके द्वारा बड़ी कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया गया।

बदलेगा प्रदेश की सत्ता का गणित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● संसद में आज महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिलों पर होगी वोटिंग। इन बिलों में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव है। अगर मप्र की बात करें तो 2029 का लोकसभा चुनाव 29 नहीं बल्कि 43 सीटों पर हो सकता है। वैसे ही मप्र विधानसभा में भी सीटों की संख्या 230 से बढ़कर 345 हो सकती है।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा-वर्तमान में मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 महिला सांसद हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, यानी लगभग 14 सीटें महिला प्रतिनिधियों के लिए तय होंगी। यदि परिसीमन का यही फॉर्मूला विधानसभा पर भी लागू होता है तो 230 सदस्यीय विधानसभा बढ़कर लगभग 345 सदस्यों की हो सकती है।

परिसीमन से बढ़ेंगी सीटें-सूत्रों के मुताबिक, प्रस्ताव के अनुसार राज्यों में लोकसभा सीटों में लगभग 50 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसी आधार पर मध्य प्रदेश की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी। इनमें सभी नई सीटों पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षित सीटों में भी महिला कोटा लागू रहेगा। इस हिसाब से प्रदेश में लोकसभा की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी। इनमें 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। जितनी सीटें बढ़ेंगी, उतनी संख्या में महिला आरक्षण रहेगा।

भाजपा-कांग्रेस का फोकस महिला नेतृत्व पर-नारी शक्ति वंदन अधिनियम की रोशनी में अब भाजपा और कांग्रेस मध्य प्रदेश में नया महिला नेतृत्व तैयार करेगी। कांग्रेस में इसकी जिम्मेदारी महिला कांग्रेस को सौंपी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

प्रतिनियुक्ति कर्मचारियों को बड़ी राहत: महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, एरियर भी मिलेगा किस्तों में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन ने उपक्रमों, निगमों, मंडलों एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय लिया है। इस फैसले से चौथे एवं पांचवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। राज्य शासन द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। संशोधित दरों के अनुसार पांचवें वेतनमान के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 323 प्रतिशत तथा चौथे वेतनमान के कर्मचारियों का 1465 प्रतिशत हो जाएगा। यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील मानी जाएगी।

तीन दिवसीय नि:शुल्क अंतर्राष्ट्रीय योग थेरेपी कार्यशाला का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व स्वास्थ्य दिवस के पावन अवसर पर निशा जोशी योग एकेडमी के तत्वावधान में तीन दिवसीय नि:शुल्क अंतर्राष्ट्रीय योग थेरेपी कार्यशाला का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डॉ. निशा जोशी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला का संचालन डॉ. निशा जोशी व उनके छात्र योगी सुनील लोधी एवं योगी राघवेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने योग थेरेपी के विभिन्न आयामों पर गहन, व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में देश-विदेश से सैकड़ों साधकों ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता की। प्रतिभागियों ने न केवल योगिक अभ्यास किया, बल्कि योग थेरेपी के माध्यम से स्वास्थ्य सुधार के प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर 20 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेन्टर, हॉकी इंदौर एसोसिएशन व खेल व युवा कल्याण विभाग द्वार आयोजित 39 वा जिला स्तरीय निशुल्क ग्रीष्मकालीन बालक व बालिकाओ का हॉकी प्रशिक्षण शिविर दिनांक 20 अप्रैल से स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजित किया जाएगा हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला व सहसचिव मो याकुब अंसारी ने बताया कि हॉकी प्रशिक्षण शिविर मे 6 वर्ष से 19 वर्ष तक के बालक व बालिकाओ को पूर्व ओलंपियन व एन आई एस कोचो द्वार हॉकी प्रशिक्षण दिया जाएगा शिविर तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा शुक्ला व अंसारी ने बताया की जिला स्तरीय हॉकी प्रशिक्षण शिविर मे रकूल व कालेज के खिलाडी भाग लेगी । शिविर मे भाग लेने के इच्छुक खिलाडी शाम 6 बजे चिमनबाग हॉकी मैदान पर अतुल खुणे,राजपाल सिंह लकी, नितिश गौड से संपर्क कर सकते है।

कई इलाकों में एक दिन छोड़कर आधा घंटा भी नलों में बमुश्किल आ रहा है पानी

शहर के कई इलाके रहे प्यासे, ले सकता है व्यापक संकट

■ बोरिंग सूखने के कारण शहर में जल संकट गहरा गया

■ लोगों ने सड़क पर बैठकर दिया धरना, अधिकारियों के आश्वासन के बाद माने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पानी की किल्लत अब स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि व्यापक संकट का रूप ले चुकी है। गुरुवार को वार्ड-46 में फूटा लोगों का गुस्सा दरअसल उस पीड़ा की झलक है, जिससे शहर के कई इलाके लंबे समय से जूझ रहे हैं। नलों में सूखा, टंकियों में खालीपन और प्रशासनिक आश्वासनों की लंबी फेहरिस्त-इन सबके बीच आमजन की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। वार्ड-46 में हालात इतने बिगड़े कि लोग सड़कों पर उतर आए। सुबह से दोपहर तक चले प्रदर्शन में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने एक सुर में कहा कि नलों में पानी नहीं, सिर्फ हवा आ रही है। पहले जो पुरानी लाइन से आधा घंटा पानी आता था, वह भी अब बंद हो चुका है। नए कनेक्शन लेने के बावजूद एक बूंद पानी नहीं मिल रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले एक साल से समस्या बनी हुई है और पार्षद शेफू वर्मा के साथ ही निगम अधिकारियों को कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति जस की तस है। मजबूरी में लोग निजी कुओं से पानी खरीद रहे हैं, जिस पर हर महीने 1500 रुपए तक खर्च करना पड़ रहा है। यह खर्च अब गरीब और मध्यम वर्ग के लिए बड़ा बोझ बन गया है। प्रदर्शन के दौरान विधायक प्रतिनिधि भी लोगों के साथ सडक़ पर बैठे, जिससे मामला और गंभीर हो गया। आखिरकार नगर निगम अधिकारियों को मौके पर आना पड़ा। अधिकारियों ने तीन दिन के भीतर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ, लेकिन सवाल सिर्फ वार्ड-46 का नहीं है। शहर के कई अन्य क्षेत्रों से भी पानी की किल्लत की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं सप्लाई का समय घटा दिया गया है, तो कहीं पानी पहुंच ही नहीं रहा। गर्मी बढने के साथ हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

जलसंकट की कई वजहें

विशेषज्ञों का मानना है कि जल प्रबंधन की कमी, बढ़ती आबादी और पुरानी हो चुकी पाइपलाइन व्यवस्था इस संकट की बड़ी वजह हैं। वहीं, समय पर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकती है। फिलहाल शहर के लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैंसक्या तीन दिन का आश्वासन राहत देगा, या फिर सडक़ों पर उतरने का सिलसिला अब आम बात बन जाएगा?

भाजपा कार्यालय पर मना जश्न, महिला कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज भाजपा कार्यालय पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिला मोर्चा द्वारा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी विजय दुबे, अंजू मखीजा, पद्मा भोजे की उपस्थिति में जश्न मनाया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने नारी सशक्तिकरण की दिशा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एतिहासिक बताते हुए कार्यालय पर जश्न मनाया। इस दौरान नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी विजय दुबे सहित उपस्थित बहनों को मिठाई खिलाकर अधिनियम के लिए बधाई दी।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को समर्पित नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की मातृशक्ति को सम्मान, समान अवसर एवं निर्णय प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। भारतीय जनता पार्टी सदैव नारी सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के संकल्प के साथ कार्य करती रही हैङ्घ इस बिल से आने वाले समय में मातृशक्ति देश का नेतृत्व भी करेगी। इस एतिहासिक निर्णय के लिए मैं पूरे भाजपा परिवार की और से मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

महिला मोर्चा की बहनों ने कार्यालय के बाहर मोदी है तो मुमकिन है, सशक्त नारी - सशक्त भारत, मोदी जी जिंदाबाद जैसे नारों से आसमान गुंजायमान कर दिया। भाजपा ध्वज लेकर बहनों ने हर्ष नृत्य किया। इस अवसर पर कार्यालय के समक्ष जोरदार आतिशबाज़ी भी की गयी।

इस अवसर पर कंचन गिदवानी, इंदू श्रीवास्तव, स्वाति काशिद, नेहा शर्मा, मंजू ठाकुर, वृंदा गौड़, सुधा सुखयानी, शिवानी अडसपुरकर, निधि बंग, रचना गुप्ता, साधना दगडे, निशा यादव,

निगम परिषद में नारी शक्ति वंदन पर मुहर : पार्षदों की जोरदार पैरवी

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास, बैठक में सत्ता और विपक्ष दोनों के पार्षदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● नगर निगम परिषद की गुरुवार को हुई बैठक में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम पर लंबी और सकारात्मक चर्चा के बाद इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। आईएसबीटी स्थित परिषद कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में सत्ता और विपक्ष दोनों के पार्षदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण के पक्ष में अपने विचार रखे। प्रस्ताव पारित होते ही परिषद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

बैठक की शुरूआत महापौर मालती राय, परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी सहित सभी पार्षदों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

नेता प्रतिपक्ष के सुझावों की सराहना की गई-नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने अधिनियम का समर्थन करते हुए महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार और कौशल विकास को इसमें शामिल करने के सुझाव दिए। उनके संतुलित वक्तव्य की सत्ता पक्ष ने भी सराहना की।

महिला सशक्तिकरण सामूहिक जिम्मेदारी:

महिला पार्षदों की मुखर भागीदारी

भाजपा पार्षद सुषमा बावीसा ने अधिनियम को महिलाओं के अधिकारों की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। इसके बाद गौरी पाठक, प्रियंका मिश्रा, पूजा शर्मा, विनीता सोनी, स्नेहलता रघुवंशी, ममता विश्वकर्मा, बबीता ढोंगरे, आरती अनेजा, ज्योति मिश्रा, शिरोमणि शर्मा, अर्चना परमार, उर्मिला मौर्य, छाया ठाकुर, कुसुम चतुर्वेदी, रीता विश्वकर्मा, शिखा गोयल, शीला पाटीदार और सरोज सहित कई महिला पार्षदों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में मजबूत भूमिका देगा। सदन में गूंजी 'झांसी वाली रानी' की पंक्तियां-कांग्रेस पार्षद मो. सरवर ने 'खूब लड़ी मदार्नी, वो तो झांसी वाली रानी थी' की पंक्तियां पढ़कर महिलाओं के साहस को सलाम किया, जिस पर सदन तालियों से गूंज उठा। सदन में माहौल शानदार रहा।

महापौर मालती राय-महापौर मालती राय ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी पार्षदों का सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा करने के लिए आभार जताया।

लोक अदालत में दस लाख तक के विद्युत प्रकरणों पर देंगे छूट

■ मालवा-निमाड़ हजारों नोटिस जारी होंगे

■ ऊर्जा विभाग के अनुसार मूल राशि पर 30 प्रतिशत तक व ब्याज राशि पर 100 प्रतिशत छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 9 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत की प्रभावी तैयारी की जा रही है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान की जाएगी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री एसआर बमनके ने बताया कि प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में तैयारी की जा रही है। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौता हो सकेगा। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता होगा। प्री लिटिगेशन स्तर

सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट देंगे। इसी तरह लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। उपरोक्त रियायत समस्त घरेलू, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 एचपी तक के आईपी औद्योगिक कनेक्शन से संबद्ध प्रकरणों पर ही देय रहेगी। निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व, अपराध शमन राशि एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। लोक अदालत के दौरान छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी /अनाधिकृत उपयोग पहली बार किए जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। आवेदक अन्य कोई कनेक्शन भी है, तो वहां की राशि पूर्ण जमा होगी, तभी छूट का लाभ लिया जा सकेगा। मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री बमनके ने अधिक से अधिक उपभोक्ताओं, प्रकरण से संबद्ध व्यक्तियों से लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की है।

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने ओंकारेश्वर में सिंहस्थ संबंधी कार्य देखे

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने गुरुवार को ओंकारेश्वर का दौरा किया। उन्होंने सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर ओंकारेश्वर में करीब बारह करोड़ की लागत से कराए जा रहे विद्युत संबंधी कार्यो का निरीक्षण किया एवं विस्तार से जानकारी प्राप्त की। सिंहस्थ के लिए मोरटक्का एवं ओंकारेश्वर में सब स्टेशन तैयार किए जा रहे है। वहीं मोरटक्का से ओंकारेश्वर तक नई 33 केवी लाइन स्थापित की गई। 11 केवी, निम्नदाब लाइन, ट्रांसफार्मर फैंसिंग कार्य भी किए जा रहे हैं। श्री सिंह ने पूर्ण हो चुके एवं वर्तमान में जारी कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की, उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य समय पर पूर्ण हो, गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए, ताकि तीर्थ क्षेत्र के मूल निवासियों के साथ ही सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिले। इस अवसर पर मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, संयुक्त सचिव श्री तरूण उपाध्याय, खडंवा अधीक्षण यंत्री श्री दधीचि रेवड़िया, कार्यपालन यंत्री श्री संजीत कुमार, श्री अजीज बूटवाला, श्री दिलीप बुके आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कलेक्टर वर्मा ने स्वयं भरा ऑनलाइन स्व-गणना फार्म

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुरुवार से शुरू हुई जनगणना सेल्फ इन्यूमरेशन प्रक्रिया के तहत कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्वयं ऑनलाइन स्व-गणना फॉर्म भरकर नागरिकों को प्रेरित किया। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने इंदौरवासियों से अपील की कि वे जनगणना पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें और इस प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाने में सहयोग दें।

कलेक्टर वर्मा ने बताया कि सेल्फ इन्यूमरेशन से समय की बचत होगी और जब टीम घर-घर पहुंचेगी, तब प्रक्रिया और भी आसान हो जाएगी। कलेक्टर ने नागरिकों से आग्रह किया कि वेबसाइट पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करें। नागरिकों के लिये

इंदौर पुलिस की अपील, रजिस्ट्रेशन कराने वाले ई-रिक्शा में ही बैठे सवारी; स्टीकर से होगी पहचान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रशासन ने ई-रिक्शा संचालन पर सख्ती शुरू कर दी है। 15 अप्रैल तक पंजीयन की अंतिम तिथि तय की गई थी, जिसके बाद अब बिना पंजीकृत वाले ई-रिक्शा पर चालानी, वैधानिक और जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार पहले दिन जिन चालकों को रोका गया, उन्होंने तत्काल पंजीयन करवाया, लेकिन आगामी दिनों में सख्ती और बढ़ाई जाएगी। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे बिना पंजीयन वाले ई-रिक्शा में सफर न करें, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

शहर में करीब 10,500 ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं, जिनमें से अब तक 5789 का ही पंजीयन हुआ है। नई व्यवस्था के तहत सभी ई-रिक्शा को चार जोन में बांट दिया गया है और उन्हें निर्धारित क्षेत्र में ही संचालन की अनुमति होगी। यदि कोई ई-रिक्शा अपने जोन से बाहर सवारी ले जाते हुए पाया गया तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

क्राइम ब्रांच, पुलिस और नारकोटिक्स विंग की कार्रवाई

कमाल है कैसे-कैसे तरीके से नशे का कारोबार पानी के केंपर में एमडी ड्रग्स बेचने निकलता था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्राइम ब्रांच ने मंदसौर के शातिर तस्कर को पकड़ा है। जो पानी के कैंपर में वाटर प्रूप पैकिंग कर एमडी ड्रग्स डाल देता था और फिर उसे लेकर सप्लाय करने दोपहिया वाहन पर निकल जाता था। पुलिस से बेचने के लिए उसने ये नया रास्ता अपनाया था। क्राइम ब्रांच ने इसकी चालाकी को पकडक़र एमडी ड्रग्स के साथ उसे गिरफ्तार कर लिया है। मंदसौर के सीतामऊ निवासी शैलेंद्र चौहान को क्राइम ब्रांच की टीम ने 121 ग्राम एमडी ड्रग्से के साथ गिरफ्तार किया है।

डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शैलेंद्र चौहान एमडी ड्रग्स की वाटर प्रूफ पैकिंग कर उसे पानी से भरे कैंपर में डाल देता था फिर उसकी डिलेवरी देने निकल पड़ता था। कैंपर में सप्लाय करने से लोगों को लगता था कि वह पानी की डिलवरी देने जा रहा है लेकिन असल में उसके अंदर एमडी ड्रग्स रहती थी। लंबे समय तक शैलेंद्र इस तरह पुलिस की नजरों से बच रहा था लेकिन क्राइम ब्रांच की टीम को खुफिया जानकारी मिली तो चंद मिनटों में पकड़ा गया। तस्कर पर पूर्व में भी कई अपराध दर्ज हैं. अब पुलिस ये पता लगा रही है कि वह किससे माल लाकर यहां किसको सप्लाय करता था। क्राइम ब्रांच ने कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, रिमांड पर तस्करी के कई रहस्य सामने आने की संभावना है।

खजराना-मल्हारगंज में ब्राउन शुगर सहित पकड़े तस्कर-खजराना और मल्हारगंज पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियो को उस वक्त दबोचा जब वह ब्राउन शुगर की सप्लाई करने जा रहे थे। खजराना पुलिस ने वाघेला गार्डन के पास से घेराबंदी कर आरोपी अकरम उर्फ अक्की पिता रसीद शाह निवासी बडला को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत 1 लाख रुपये जब्त की गई। दूसरे मामले में मल्हारगंज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक पर संदिग्ध सामान लेकर बड़ा गणपति चौराहे की ओर आने वाला है। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी की। जैसे ही बाइक सवार वहां पहुंचा पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 10.9 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। जब्त की गई ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत करीब 1.09 लाख रुपये है। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ ही घटना में प्रयुक्त बजाज पल्सर भी जब्त कर ली है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी की पहचान पप्पू सिंह पिता मोड़ सिंह चौहान, निवासी आदर्श इंदिरा नगर के रूप में हुई है। पुलिस अब आरोपी से यह पूछताछ कर रही है कि वह यह नशीला पदार्थ कहां से लाया था और शहर में किन. किन लोगों को इसकी सप्लाई करने वाला था।

नारकोटिक्स ने भी पकड़े राजस्थान के तस्कर

नारकोटिक्स सेल के हाथ दो ऐसे ड्रग्स पेडलर लगे हैं जो हर महीने तीन चार बार बाइक से ड्रग्स की डिलेवरी देने आते हैं।बाइक से आने के कारण कोई उन पर शक नहीं करता था। नारकोटिक्स विंग को खबर मिली थी कि राजकुमार मिल तालाब के पास सब्जी मंडी में एमडी ड्रग्स की डिलेवरी होने वाली है, ये भी खबर थी कि जिस गाड़ी से डिलेवरी देने आएंगे वे राजस्थान पासिंग है।उसके बाद टीम ने घेराबंदी कर बाइक सवार दो लोगों को पकड़ा।इनके नाम तोहिब उर्फ हाथी बादशाह खान और नय्यूब हमीद खान निवासी कोटडी गांव प्रतापगढ़ है। हाथी ने कबूला कि उसने नय्यूब से ड्रग्स खरीदी थी।नय्यूब ने राजस्थान के एक बड़े तस्कर का नाम कबूला है जिससे वो ड्रग्स लेकर आया था।इनसे एमडी ड्रग्स बरामद की गई। नारकोटिक्स विंग ने इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

'वंदे मातरम्' की गरिमा पर हाईकोर्ट सख्त

इंदौर बेंच ने पार्षद रुबीना खान और फौजिया शेख को जारी किया कारण बताओ नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के समक्ष राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के गायन के दौरान सरकारी और सार्वजनिक मंचों पर गरिमापूर्ण आचरण सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट कानूनी ढांचा बनाने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका दायर की गई है।

जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने प्रारंभिक सुनवाई के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए मामले से जुड़े पार्षद रुबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह

कार्रवाई इंदौर नगर निगम की एक हालिया घटना के बाद शुरू हुई, जिसमें राष्ट्रीय गीत के दौरान हुए विवाद ने प्रदेशभर का ध्यान आकर्षित किया था। याचिकाकर्ता और एडवोकेट योगेश हेमनानी ने स्वयं न्यायालय के समक्ष पक्ष रखते हुए दलील दी कि वर्तमान में शासकीय संस्थानों में 'वंदे मातरम्' के उच्चारण के समय आचरण और अनुशासन को लेकर कोई प्रभावी नियामक ढांचा मौजूद नहीं है। उन्होंने कोर्ट से प्रार्थना की कि राष्ट्रीय गीत की गरिमा बनाए रखने के लिए स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 51A (a) का हवाला देते हुए कहा गया है कि प्रत्येक नागरिक का यह मौलिक कर्तव्य है कि वह राष्ट्र के आदर्शों और प्रतीकों का सम्मान करे। ऐसे में सार्वजनिक पदों पर आसीन व्यक्तियों का आचरण मर्यादित और आदर्श होना चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेंच ने प्रमुख सचिव, गृह सचिव सहित अन्य संबंधित शासकीय विभागों को भी सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा है। यह प्रकरण वर्तमान में कोर्ट के विचाराधीन है। याचिका के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में किसी भी सार्वजनिक अथवा सरकारी कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत के गायन के समय अनुशासन और सम्मान की भावना अक्षुण्ण बनी रहे। मध्यप्रदेश के इंदौर में 'वंदे मातरम' विवाद पर पहली बार एफआईआर दर्ज की गई है। नगर निगम के बजट सत्र में राष्ट्रगीत गाने से इनकार करने के मामले में एमजी रोड पुलिस ने कांग्रेस की दो महिला पार्षद-रुबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम- के खिलाफ केस दर्ज किया है।

100% अंकों की गूंज : फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में रिकॉर्ड सफलता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100%) अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिज़िक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने इंदौर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

प्रकाश मानावत प्रदेश महामंत्री नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रकाश मानावत विगत कई वर्षों से विमुक्त घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जनजाति समुदाय के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उनके समर्पण भाव और सामाजिक सक्रियता के आधार पर उन्हे डीएनडी डेवलपमेंट फाउंडेशन संगठन में प्रदेश महामंत्री के पद पर राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत भाई पटनी की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम नायक ने नई दिल्ली में नियुक्त पत्र सौंपा।

कांटाफोड़ मंदिर ट्रस्ट एवं भक्त मंडल ने 25 जोड़ों को भेंट की अभिमंत्रित साड़ियाँ एवं सुहाग सामग्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवलखा स्थित कांटाफोड़ शिव मंदिर ट्रस्ट एवं भक्त मंडली की ओर से बुधवार को गाँधी हॉल में सम्पन्न हुए सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल 25 नवयुगलों को नवरात्रि में माँ दुर्गा की शक्ति से अभिमंत्रित साड़ियाँ एवं सुहाग सामग्री भेंट की गई।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग एवं संयोजक बीके गोयल ने बताया कि प्रतिवर्ष नवरात्रि में मंदिर समिति द्वारा भक्तों की ओर से मातारानी को समर्पित किए गए नूतन वस्त्रों को संरक्षित कर सुरक्षित रखा जाता है। बुधवार को

क्षेत्र के विधायक गोलू शुक्ला द्वारा आयोजित सर्वजातीय सामूहिक विवाह में शामिल 25 जोड़ों को मंदिर ट्रस्ट की ओर से श्रीमती मुग्धा शुक्ला, भक्त मंडल के संदीप गोयल एवं अन्य बंधुओं द्वारा पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नूतन साड़ियाँ, अक्षत, कुमकुम एवं सुहाग सामग्री भेंट की गई। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचन्द गर्ग, सुभाष बजरंग एवं अन्य गणमान्य बंधु भी उपस्थित थे जिन्होंने नवयुगलों को यशस्वी एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाओं सहित उपहार भेंट किए। मंदिर समिति एवं भक्त मंडल की ओर से शहर में आयोजित विभिन्न सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में लाडली बेटियों को समय-समय पर उपहार एवं नूतन वस्त्र भेंट किए जाते रहे हैं।

अग्रवाल परिषद की वार्षिक साधारण सभा एवं संचालक मंडल के चुनाव कल होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल परिषद की वार्षिक साधारण सभा एवं संचालक मंडल के वर्ष 2026-27 के चुनाव शनिवार को एमजी रोड स्थित टीआई मॉल के पास एक रेस्टोरेंट पर होंगे। परिषद के अध्यक्ष मनीष खजांची, सचिव राजेश नागोरी एवं राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि चुनाव अधिकारी गोपाल बंसल मनोनीत किए गए हैं। पर परिषद के गत वर्ष के आय-व्यय पत्रक के प्रस्तुतीकरण, ऑडिटर के मनोनयन एवं चुनाव प्रक्रिया सहित विभिन्न विषयों पर निर्णय लिए जाएँगे। नवनिर्वाचित संचालक मंडल का स्वागत भी होगा।

10वीं में सिका निपानिया का उत्कृष्ट प्रदर्शन, नमामि परमार प्रथम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बुधवार को सीबीएसई 10वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित हुए। सिका सीनियर सेकंडरी स्कूल निपानिया क्र. 3 के बच्चों ने एआईएसएसई 10वीं में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 10वीं में कु. नमामि परमार ने 98.80 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में टॉप किया वहीं इंग्लिश, सोशल साइंस एवं एआई विषय में शत प्रतिशत (100) अंक प्राप्त किए। आदित्य मालाकार एवं लिपिका पाटीदार ने 98 प्रतिशत, दक्ष श्रीवास्तव 97.8 प्रतिशत, आदिनाथ गोपेन 97.60, गीतांशी जैन एवं साध्या नागोरी 97, अपूर्वा डोंगरे 96.80, पायस अग्रवाल 96.20 और आदित्य सिंगी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का गौरव बढ़ाया। पायस अग्रवाल ने हिंदी में 100 में से 99 अंक प्राप्त किए। वहीं मैथ्स में दक्ष, गीतांशी, संध्या नागोरी को 100 में से 100 अंक प्राप्त हुए। आदित्य मालाकार को साइंस एवं एआई में लिपिका एवं आदिनाथ को 100 अंक प्राप्त हुए। स्कूल प्राचार्या एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की स्वर्णिम सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

मेहनत, आत्मविश्वास और शिक्षकों के सहयोग से पाई सफलता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वयं की मेहनत, आत्मविश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन से सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। 15 अप्रैल को घोषित हुए सीबीएसई कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में श्री अग्रसेन विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं।

विद्यालय प्रशासन द्वारा इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान और सत्कार किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की।

छठवें वेतनमान के कर्मचारियों का राहत, महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 257%, कर्मचारियों को मिलेगा एरियर का भी लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राज्य शासन ने छठवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय लिया है। इस फैसले से कर्मचारियों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा और लंबित एरियर का भी भुगतान सुनिश्चित किया गया है। राज्य शासन द्वारा छठवें वेतनमान अंतर्गत कार्यरत शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। संशोधित दरों के अनुसार महंगाई भत्ता 252 प्रतिशत से बढ़ाकर 257 प्रतिशत कर दिया गया है। यह 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील होगा। इस वृद्धि का वास्तविक लाभ कर्मचारियों को 1 अप्रैल से से मिलना शुरू होगा। साथ ही, 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का एरियर 6 समान किश्तों में मई से अक्टूबर 2026 तक दिया जाएगा।

एक व्यवस्थित नीतिगत पहल के तहत पीएनजी विस्तार में तेज़ी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारत सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच को मज़बूत करने और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, एक समन्वित नीतिगत ढाँचे के तहत पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेज़ी लाने का काम शुरू किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। तेज़ी से हो रहे इस विस्तार के तहत, मार्च 2026 के बाद से लगभग 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि 4.88 लाख अतिरिक्त उपभोक्ताओं ने नए पीएनजी कनेक्शन के लिए रजिस्टर किया है। इन आँकड़ों से साफ है कि नीतिगत विस्तार के चलते पीएनजी के अडॉप्शन में ज़बरदस्त तेज़ी आई है। सरकार की पीएनजी विस्तार रणनीति के तहत ये प्रयास किए जा रहे हैं।

जैन राजनैतिक चेतना मंच की विशेष बैठक चांदखेड़ी में संपन्न

हुकुम जैन 'काका' को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जैन राजनीतिक चेतना मंच मध्यप्रदेश-राजस्थान शाखा की कोर कमेटी की एक विशेष बैठक विश्व प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी, राजस्थान के सुसज्जित सभागार में आयोजित हुई।

मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति एवं ध्वनिमत से कोटा जैन समाज के रत्न, अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी के अध्यक्ष एवं मंच के वर्तमान राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री हुकुम जैन 'काका' को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष जैन काला, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश जैन चेलावत सहित दोनों राज्यों के लगभग सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय महामंत्री ललित जैन ने की। मुख्य अतिथि के रूप में समाज गौरव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मंच के परम संरक्षक प्रदीप जैन आदित्य मौजूद थे। बैठक में विगत तीन वर्षों से मंच की सक्रियता में आई कमी पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

पूर्व सांसद स्व. प्यारेलाल खण्डेलवाल की जयंती पर व्याख्यान संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भाजपा के आधार स्तंभ रहे स्व. प्यारेलाल खण्डेलवाल की 101वीं जयंती के अवसर पर इंदौर स्थित रवीन्द्र नाथ टैगोर सभागृह में व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक प्यारेलाल खंडेलवाल के पौत्र, भारतीय जनता पार्टी इंदौर के आईटी प्रभारी दीपांश खंडेलवाल पिछले 10 सालों से प्रतिवर्ष प्यारेलाल खण्डेलवाल की जयंती पर व्याख्यान के साथ ही गीत संगीत की प्रस्तुति का आयोजन कर रहे है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुए भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि स्व प्यारेलाल जी के बताये हुए मार्ग पर चलते चलते भाजपा परिवार आज वटवृक्ष बन गया है। जनसंघ से लेकर भाजपा तक एक विचार को जिन लोगों ने जिया उनमें से प्यारेलाल खण्डेलवाल भी एक थे।

पारिवारिक विवादों में मध्यस्थता से हो रहे निराकरण में कोरी/कोली समाज की अग्रणी भूमिका सराहनीय - डॉ. शमीम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आज के आधुनिक युग में पति-पत्नि के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर होने वाली कहासुनी नासमझी के कारण विवाद का कारण बन जाति है, और नौबत सम्बंध विच्छेद तक पहुंच जाती है, ऐसे में पुलिस और न्यायालय तक मामला पहुंच जाता है, जिसमें समय और पैसा बर्बाद होता है, ऐसे में न्यायालय

का भार कम करने के उद्देश्य से इन्दौर में न्यायालीन प्रशिक्षण के माध्यम से मध्यस्थता केन्द्रों की स्थापना की गई। इन मध्यस्थता केन्द्रों के माध्यम से समझौते से समाधान के तहत 80 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सामाजिक स्तर पर ही हो रहा है, इसमें हम गर्व से कह सकते हैं, कि सबसे अग्रणी भूमिका में कोरी/कोली समाज है। उक्त विचार ट्रेनर मास्टर एवं सेवानिवृत्त मजिस्ट्रेट डॉ. मोहम्मद शमीम ने कोरी/कोली समाज महापंचायत द्वारा समाज के चार पारिवारिक प्रकरणों के लिए आयोजित पंचायत में व्यक्त किए।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

परिसीमन संवेदनशील मुद्दा, दक्षिण भारत के राज्यों की आशंका भी दूर करना जरूरी

इसमें कोई दोराय नहीं कि संसद में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी समय की जरूरत हो सकती है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसमें बदलाव हो सकते हैं। मगर इस वर्ष परिसीमन की कवायद को लेकर कई सवाल उभरते दिख रहे हैं। खासतौर पर दक्षिण भारत के राज्यों की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि परिसीमन के ताजा प्रस्ताव के तहत जो प्रारूप सामने आया है, अगर वह अमल में आया तो यह व्यापक स्तर पर भेदभाव का कारण बनेगा।

हालांकि इस तरह के कदम उठाने से पहले देशभर में सर्वसम्मति कायम करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि राज्यों के बीच मतभेद न उपजे, लेकिन परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की पहल के बाद तमिलनाडु में जिस तरह का विरोध उभर रहा है, उससे कई सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन की कवायद के खिलाफ विरोध को तेज करते हुए इससे संबंधित विधेयक की प्रति जला कर और काला झंडा दिखा कर पूरे राज्य में आंदोलन की शुरुआत कर दी। इससे पहले स्टालिन ने यहां तक कहा था कि तमिलनाडु की चिंता को दूर किए बिना अगर परिसीमन को आगे बढ़ाया गया, तो राज्य में एक समय चले हिंदी विरोधी आंदोलनों जैसी स्थिति बन सकती है।

निश्चित रूप से एक संवेदनशील मुद्दे पर देश के अलग-अलग राज्यों में इस स्तर के मतभेद पैदा नहीं होने चाहिए थे और इससे जुड़ी चिंताओं का समाधान वक्त की जरूरत है। मगर हैरानी की बात यह है कि क्या केंद्र सरकार को इसका आभास नहीं था कि लोकसभा में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के क्रम में उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच जिस तरह का असंतुलन पैदा होने वाला है, उससे कई स्तर पर असंतोष उभर सकता है! दरअसल, सरकार परिसीमन को महिला आरक्षण के साथ जोड़ कर पेश करने का प्रयास कर रही है, ताकि इसे लेकर उठने वाली आपत्तियों को कमजोर किया जा सके।

मगर विपक्षी दलों की ओर से ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग राज्यों में लोकसभा की सीटों में बढ़ोतरी संसद के समीकरण में वैसे राज्यों को मजबूत स्थिति में खड़ा करेगा, जहां भारतीय जनता पार्टी ताकतवर है। इसके अलावा, सीटों के फिर से बंटवारे के क्रम में जो नया समीकरण बनेगा, उसमें दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व और अधिकारों में काफी कमी आने की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे कई राज्यों की नुमाइंदगी में काफी बढ़ोतरी हो जाएगी।

शायद यही वजह है कि तमिलनाडु में इस मसले पर व्यापक असंतोष उभर रहा है। तेलंगाना, कर्नाटक और केरल आदि राज्यों में भी परिसीमन में आबादी के आधार पर लोकसभा की सीटों में वृद्धि होने पर तीखे सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन को लेकर बेहतर प्रदर्शन का खमियाजा उठाना पड़ रहा है।

आस्था के नाम पर फैलते छल से बचकर ही सुरक्षित रहेगी किसान की मेहनत

उत्तर भारत के गाँवों में गेहूँ की कटाई केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव होती है। यह वह समय है जब किसान की महीनों की तपस्या, धूप में जले हाथ, सर्द रातों की पहरेदारी और अनिश्चित मौसम के साथ लड़ी गई जंग अंतत: रंग लाती है। खेतों में झूमती सुनहरी बालियाँ किसी साधारण फसल का दृश्य नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक होती हैं। जब यही फसल कटकर घर के आँगन में ढेर बनाती है, तो वह केवल अनाज नहीं होती—वह पूरे साल की सुरक्षा होती है, बच्चों की पढ़ाई का आधार, बीमारियों में सहारा, और भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने की ताकत होती है। घर की महिलाएँ उस अनाज को सहेजती हैं, साफ करती हैं, सुखाती हैं और बड़े जतन से उसे भंडार में रखती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि यही दाने आने वाले समय में घर की नींव को मजबूत बनाए रखेंगे।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेकिन इस सुनहरे और संतोष भरे दृश्य के साथ ही एक ऐसी परछाईं भी गाँव की गलियों में उतरने लगती है, जो धीरे-धीरे इस खुशी को कम करने लगती है। यह परछाईं है झोली लेकर घूमने वाले तथाकथित बाबाओं और मोड़ों की, जो इसी मौसम का इंतजार करते हैं। जैसे ही अनाज घरों में आता है, ये लोग अचानक गाँवों में दिखाई देने लगते हैं। उनके वस्त्र, उनका रूप और उनकी वाणी सब कुछ इस तरह से रचा गया होता है कि वे श्रद्धा के पात्र प्रतीत हों। माथे पर तिलक, सिर पर पटका या टोपी, रंग-बिरंगे कपड़े और हाथ में एक झोली—यह सब मिलकर एक ऐसा रूप तैयार करते हैं, जिसे देखकर सामान्य ग्रामीण सहज ही प्रभावित हो जाता है। वे घर-घर जाकर दरवाजे पर खड़े होते हैं और मीठे शब्दों में आशीर्वाद देते हैं— 'भगवान भला करेगा', 'माता रानी कृपा बनाए रखे'—और बदले में कुछ अनाज या पैसे की अपेक्षा रखते हैं।

गाँवों में दान और सेवा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है, जो आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। खासकर महिलाएँ इस परंपरा को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की दहलीज पर खड़ी होकर आने-जाने वालों का स्वागत करती हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान देती हैं। उनके लिए यह केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा होता है। लेकिन यही आस्था कई बार उनकी कमजोरी बन जाती है, जब कुछ लोग इसका लाभ उठाने लगते हैं।

एक घर से दी गई एक मुट्ठी गेहूँ शायद बहुत छोटी बात लगती है। देने वाले को लगता है कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यही प्रक्रिया जब पूरे गाँव में दोहराई जाती है, तो यह छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मिलकर एक बड़े ढेर में बदल जाती हैं। दिन भर में सैकड़ों घरों से इकट्ठा किया गया अनाज शाम तक एक बड़ी मात्रा में पहुँच जाता है। इसके बाद यह अनाज अक्सर बाजार में बेच दिया जाता है, और उससे प्राप्त धन का उपयोग जरूरी जरूरतों के बजाय नशे, जुए या अन्य अनुचित गतिविधियों में होने की शिकायतें सामने आती हैं। इस प्रकार, जो अनाज किसान ने अपने खून-पसीने से उगाया था, वह धीरे-धीरे ऐसे हाथों में चला जाता है जहाँ उसका सम्मान नहीं होता।

यह केवल आर्थिक नुकसान की बात नहीं है, बल्कि यह विश्वास के टूटने की कहानी भी है। जब कोई व्यक्ति धर्म और आस्था का सहारा लेकर किसी की मेहनत का लाभ उठाता है, तो वह केवल संसाधनों की चोरी नहीं करता, बल्कि सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर करता है। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब होती है जब कुछ लोग दान न देने पर डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। 'अगर दान नहीं दिया तो अनिष्ट होगा', 'घर में अशांति आ जाएगी'—ऐसे शब्द केवल अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि लोगों के मन में अनावश्यक भय भी पैदा करते हैं। यह भय खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को प्रभावित करता है, जो पहले से ही धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

हालाँकि, इस पूरी तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो वास्तव में जरूरतमंद हैं—बुजुर्ग, विकलांग या ऐसे व्यक्ति जिनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं है। उनके लिए भिक्षा माँगना कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी होती है। उनके चेहरे पर बनावटीपन नहीं, बल्कि संघर्ष और थकान की सच्चाई झलकती है। इसलिए हर झोली लेकर आने वाले व्यक्ति को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है जहाँ विवेक और संवेदनशीलता दोनों की आवश्यकता होती है।

समस्या का समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि समझदारी में छिपा है। सबसे पहले, जागरूकता आवश्यक है। परिवार के सभी सदस्यों को यह समझाना जरूरी है कि दान केवल भावना के आधार पर नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया जाना चाहिए। खासकर महिलाओं को यह सिखाना जरूरी है कि वे किसी भी प्रकार के डर या दबाव में आकर निर्णय न लें। यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती करता है या डराने की कोशिश करता है, तो उसका विरोध करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर पड़ोसियों या पंचायत की सहायता लेनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है दान की दिशा को सही करना। यदि किसी के मन में देने की भावना है, तो उसे उन लोगों तक पहुँचाना चाहिए जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। गाँव में ऐसे कई परिवार होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिनकी मदद से उनका जीवन बेहतर हो सकता है। विधवाएँ, बुजुर्ग, अनाथ बच्चे या शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े जरूरतमंद लोग—ये वे स्थान हैं जहाँ दान का वास्तविक प्रभाव पड़ता है। इससे न केवल संसाधनों का सही उपयोग होता है, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और विश्वास भी मजबूत होता है।

(लेखक पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवि-सामाजिक विचारक है)

महिला आरक्षण बिल के बाद बदलेगी संसद की सूरत

16 अप्रैल से संसद का विशेष संत्र आयोजित होने जा रहा है। इस सत्र में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। लंबे इंतजार और व्यापक राजनीतिक विमर्श के बाद पारित हुआ महिला आरक्षण बिल—जिसे आधिकारिक रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है—देश की संसद और विधानसभाओं की संरचना में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, जो भारतीय राजनीति में लैंगिक संतुलन की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

सौरभ वार्ष्णेय

आज तक भारतीय संसद में महिलाओं की भागीदारी सीमित रही है। हालांकि इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज और ममता बनर्जी जैसी प्रभावशाली महिला नेताओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, लेकिन कुल संख्या के लिहाज से महिलाएं अब भी कम प्रतिनिधित्व वाली श्रेणी में रही हैं। ऐसे में यह आरक्षण बिल केवल संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की दृष्टि और संवेदनशीलता को शामिल करने का प्रयास भी है।

इस विधेयक के लागू होने के बाद संसद की सूरत में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। अधिक संख्या में महिला सांसदों की भागीदारी से सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और पोषण जैसे मुद्दों पर अधिक गंभीरता से चर्चा होने की संभावना है। इससे नीतियां अधिक समावेशी और जमीनी हकीकत के करीब बन सकती हैं।

हालांकि, इस बदलाव के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। राजनीतिक दलों को योग्य महिला उम्मीदवारों को तैयार करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। केवल आरक्षण से ही वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं है; इसके लिए सामाजिक मानसिकता में बदलाव और राजनीतिक प्रशिक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

इसके अलावा, आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी, जो इस कानून के क्रियान्वयन को प्रभावित कर सकती है। इस कारण, इसके प्रभावी लागू होने में समय लगने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक, संतुलित और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह न केवल संसद की सूरत बदलेगा, बल्कि राजनीति की सोच और प्राथमिकताओं को भी नई दिशा देगा। यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि एक मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की आधारशिला रखता है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में उन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया है, जो 2029 तक विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों में उभर रही हैं। यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संघीय ढांचे, प्रतिनिधित्व के संतुलन और लोकतांत्रिक विश्वास से भी जुड़ा हुआ है।महिला आरक्षण का उद्देश्य राजनीति में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही है। ऐसे में 33त्न आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। लेकिन इसके साथ जुड़ा परिसीमन का सवाल कई जटिलताओं को जन्म देता है।

परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण। 2026 के बाद होने वाली संभावित परिसीमन प्रक्रिया में जनसंख्या के वर्तमान आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। यहीं से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंता शुरू होती है। इन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में जनसंख्या वृद्धि अधिक रही है। ऐसे में आशंका है कि परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों की सीटें घट सकती हैं, जिससे उनकी राजनीतिक ताकत कमजोर हो सकती है।

केंद्र सरकार का कहना है कि महिला आरक्षण और परिसीमन दो अलग-अलग प्रक्रियाएँ हैं, और किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि संतुलन और न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए ही कोई निर्णय लिया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल आश्वासन से राज्यों की चिंताएँ दूर हो जाएंगी?

यह भी समझना जरूरी है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोडने् का प्रावधान क्यों रखा गया। इसका एक कारण यह है कि नए सिरे से सीटों का निर्धारण होने पर आरक्षित सीटों का संतुलित और न्यायसंगत वितरण संभव हो सके। लेकिन यही प्रावधान अब राजनीतिक विवाद का कारण बन रहा है। समाधान के लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्यों के बीच संवाद और विश्वास कायम रखा जाए। एक ऐसा मॉडल विकसित किया जाए, जिसमें महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए क्षेत्रीय संतुलन भी बना रहे। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है)**

आंचलिक

धार में देवकृष्ण हत्याकांड के बाद न्याय की गुहार

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● धार जिले के राजोद थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदीखेड़ा चारण में हुए देवकृष्ण पुरोहित हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। घटना के बाद से परिजनों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को देवकृष्ण की मां लक्ष्मीबाई और बहन भाजपा जिला कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने जिला अध्यक्ष निलेश भारती से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने परिजनों को हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। मृतक की मां लक्ष्मीबाई ने आरोप लगाया कि उनकी बहू का उसके ही जीजा कमलेश के साथ अवैध संबंध था और इसी के चलते सुनियोजित तरीके से उनके बेटे की हत्या करवाई गई। देवकृष्ण ही परिवार का एकमात्र सहारा था और उसी के सहारे घर का भरण-पोषण चल रहा था। लक्ष्मीबाई ने कहा कि जब देवकृष्ण डेढ़ साल का था, तभी उसके पिता का निधन हो गया था। कठिन परिस्थितियों में उसका पालन-पोषण किया गया, लेकिन अब उसकी हत्या से पूरा परिवार बिखर गया है। इस घटना का असर परिवार की खुशियों पर भी पड़ा है।

ओंकारेश्वर में 5 दिन तक गूंजेगा अद्वैत का संदेश

आज से सीएम मोहन यादव आएंगे, आचार्य शंकर प्रकटोत्सव का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती पर ओंकारेश्वर में आज से 21 अप्रैल तक आचार्य शंकर प्रकटोत्सव के तहत 5 दिनी एकात्म पर्व का आयोजन होगा। संस्कृति विभाग और आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास का यह आयोजन मांधाता पर्वत स्थित एकात्म धाम में होगा। जिसमें देशभर के संत, विद्वान और कलाकार शामिल होंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस दौरान द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, पद्मश्री निवेदिता भिड़े

और स्वामी शारदानंद सरस्वती सहित कई संत-महात्मा उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के दौरान अद्वैतामृतम् विमर्श श्रृंखला में अद्वैत वेदांत की विभिन्न परंपराओं और समकालीन विषयों पर चर्चा होगी। 17 अप्रैल को अद्वैत एवं जैन दर्शन पर संवाद होगा, जबकि 18 अप्रैल को रामकृष्ण मिशन, सिख परंपरा और पर्यावरण जैसे विषयों पर विचार रखे जाएंगे। 19 अप्रैल को अद्वैत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक शांति और भारतीय सांस्कृतिक एकता जैसे आधुनिक विषयों पर विशेष सत्र आयोजित होंगे। 20 अप्रैल को चिन्मय मिशन के योगदान पर चर्चा होगी। पांच दिनों तक हर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। 17 अप्रैल को जयतीर्थ मेवुंडी का शास्त्रीय गायन और शुभदा वराडकर का ओडिसी नृत्य होगा। 18 अप्रैल को जसलीन कौर की गुरुवाणी और पद्मजा सुरेश का भरतनाट्यम, 19 अप्रैल को पार्वती बाउल और रमा वैद्यनाथन की प्रस्तुतियां होंगी। इसी तरह, 20 को कर्नाटक संगीत और भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि समापन दिवस 21 अप्रैल को पद्मश्री हेमंत चौहान की निर्गुण वाणी और मणिपुरी नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 21 अप्रैल को वैशाख शुक्ल पंचमी पर नर्मदा तट पर सुबह 6 बजे दीक्षा समारोह आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवाओं को 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षा दी जाएगी।

इसी दिन मुख्य समारोह में

किसान संघ का धरना स्थगित: सिंचाई परियोजना में तेजी के आश्वासन पर 20 दिन की निगरानी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● खरगोन में बिंजलवाड़ा सिंचाई परियोजना में लापरवाही और देरी को लेकर भारतीय किसान संघ का 10 दिवसीय धरना गुरुवार को समाप्त हो गया। यह निर्णय कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) विभाग को 20 दिन में काम में तेजी लाने की कार्ययोजना बनाने के आश्वासन के बाद लिया गया। अपर कलेक्टर रेखा राठौड़ ने

किसानों के बीच इसकी घोषणा की। कलेक्टर ने एनवीडीए विभाग के ईई एमके सिंह, सीएल आरख, जीवीपीआर कंपनी के जीएम फिलीफोस, प्रोजेक्ट मैनेजर रघु कुर्मिला और किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में 20 दिनों के भीतर काम में तेजी लाने की कार्ययोजना बनाई गई, जिस पर किसान पदाधिकारियों ने सहमति व्यक्त की।

नदी में मर रहीं मछलियां, कलेक्टर से मिले समाजसेवी

नालों का गंदा पानी ताप्ती में मिल रहा; रोकने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर में ताप्ती नदी के राजघाट पर एक दिन पहले सैकड़ों मछलियां मृत पाई गईं थीं। इस घटना के बाद सामाजिक संगठनों ने चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर हर्ष सिंह को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ताप्ती नदी में नालों का गंदा पानी मिलने से उत्पन्न हो रही इस समस्या के तत्काल निराकरण की मांग की है। गुरुवार को ताप्ती सेवा समिति की अध्यक्ष सरिता भगत, राजीव खेड़कर, राजेश भगत, मंसूर सेवक, अता उल्लाह खान और अन्य सदस्यों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि शहर के गंदे नालों का पानी ताप्ती

नदी में जाने से रोका जाए। साथ ही, मृत मछलियों को तुरंत हटाकर जल की सफाई कराई जाए और जल गुणवत्ता की जांच कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। समिति ने बताया कि राजघाट पर स्थिति चिंताजनक है। बसाड़ के पास निर्माणाधीन पुल के कारण नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न हुई है। इससे राजघाट क्षेत्र में पानी का ठहराव हो रहा है, जिसमें शहर के गंदे नालों का पानी आकर मिल रहा है। इस ठहराव के कारण पानी अत्यधिक प्रदूषित, दुर्गंधयुक्त और हरे रंग का हो गया है। बड़ी संख्या में मछलियों का मृत पाया जाना इस प्रदूषण की गंभीरता को दर्शाता है। यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि आमजन की आस्था और धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचा रही है।

आईपीएल में आज होगा गुजरात और कोलकाता का मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

अहमदाबाद (एजेंसी) • आईपीएल में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स की टीम का मुकाबला आजिंक्य रहाणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज

प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनो के बीच पांच मुकाबे हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा। वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है।

पीएसएल को आईपीएल से बेहतर बताने के प्रयास में हंसी का पात्र बन रही पीसीबी

लाहौर (एजेंसी) • भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमी इन दिनों अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी लीग, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल), का आनंद उठा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान में आईपीएल से पीएसएल की तुलना का जुनून छाया हुआ है और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पीएसएल को बेहतर बताने का प्रयास कर रहा है पर इससे वह हंसी का पात्र भी बना रहे हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अक्सर आईपीएल के ऊपर पीएसएल की श्रेष्ठता के दावे करते रहते हैं। उनका कोई भी बयान भारत या आईपीएल का जिक्र किए बिना शायद ही पूरा होता हो। हाल ही में, जब पाकिस्तान में तेल संकट के कारण पीएसएल के मैच खाली स्टेडियम में खेले जा रहे थे, और दर्शकों की अनुमति पर सवाल उठे, तब नकवी ने मीडिया से बातचीत में आईपीएल को लाने के प्रयास किये। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि जहां पीएसएल के मुकाबले पेट्रोल-डीजल की कमी के कारण खाली स्टेडियम में हो रहे हैं, वहीं आईपीएल के मैच दर्शकों की खचाखच भीड़ के सामने खेले जा रहे हैं।

पाकिस्तान के पत्रकार और मीडियाकर्मी भी पीएसएल में खेल रहे विदेशी क्रिकेटरों से बार-बार आईपीएल और पीएसएल की तुलना को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। उनकी तलाश इस बात की होती है कि कोई खिलाड़ी आईपीएल को लेकर कुछ नकारात्मक बोल दे, ताकि वे पीएसएल की

श्रेष्ठता का ढोल पीट सकें। । हाल ही में, एक पाकिस्तानी पत्रकार ने श्रीलंकाई क्रिकेटर कुसाल मेंडिस से पूछा कि क्या उन्हें पिछले साल आईपीएल (गुजरात टाइटन्स) के लिए पीएसएल छोड़ने का कोई मलाल है, खासकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए, जबकि अब पीएसएल उन्हें दोबारा मौका दे रहा है और आईपीएल ने उन्हें नहीं चुना। मेंडिस ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। इस बीच, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने आईपीएल बनाम पीएसएल की इस पूरी बहस की खुले तौर पर खिल्ली उड़ाई है। शहजाद ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, देखिए, कुसाल मेंडिस पीएसएल में खेल रहे हैं, प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन उनसे सवाल हो रहे हैं कि आप लास्ट टाइम छोड़कर चले गए थे, आईपीएल में चले गए थे।

सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा पवन सिंह का गाना

मुंबई (एजेंसी) • हाल ही में कुछ विवादों के चलते चर्चा में रहे भोजपुरी सिनेमा के सुपर स्टार पवन सिंह अब अभिनेत्री खुशी तिवारी के साथ बड़े पर्दे पर शानदार केमिस्ट्री बिखेरते नजर आ रहे हैं, जिसने उनके प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। सोशल मीडिया पर यह गाना रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो रहा है और कुछ ही घंटों में 40 हजार से अधिक व्यूज हासिल कर चुका है। गाने में खुशी तिवारी पवन सिंह से नई-नई साड़ियों की मांग करती दिख रही हैं, वहीं पवन सिंह भी उनकी खूबसूरती पर फिदा होकर कहते हैं कि काली साड़ी में वह बेहद कमाल लगती हैं। गाने में दोनों कलाकारों के बीच बेहतरीन रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जो दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

गाने को पवन सिंह ने अपनी दमदार आवाज के साथ सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। आशुतोष तिवारी ने गाने के दिल छू लेने वाले बोल लिखे हैं, जबकि प्रियांशु सिंह ने संगीत दिया है। गाने का म्यूजिक इतना जोशीला और आकर्षक है कि इसे सुनने के बाद

आपका भी मन झूमने को करेगा। पवन सिंह के लिए यह साल काफी व्यस्तता भरा रहा है। सड़िया ए जान से पहले उन्होंने साउथ की पैन-इंडिया फिल्म डकैत: एक प्रेम कथा में भी अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया था।

इस फिल्म में उनका स्पेशल गाना टच बेबी फिल्माया गया था, जिसमें वह साउथ स्टार अदिवि शेष के साथ मंच पर धमाल मचाते नजर आए थे। यह साउथ सिनेमा में पवन सिंह का पहला कदम था, जिसे फैंस की तरफ से अपार प्यार मिला था।डकैत: एक प्रेम कथा बीते हफ्ते 10 अप्रैल को रिलीज हुई है, जिसमें अदिवि शेष के साथ मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को अभी तक मिला-जुला रिस्पांस मिला है, लेकिन यह एक ऐसे आशिक की कहानी है, जिसे सच्चे प्यार में धोखा मिलता है और वह बदला लेने के लिए मृणाल ठाकुर के लिए कई मुश्किलें खड़ी करता है।

दादी की शादी में नीतू कपूर-कपिल शर्मा हंसाएंगे दर्शकों को

मुंबई (एजेंसी) • बॉलीवुड की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म दादी की शादी में अभिनेत्री नीतू कपूर के साथ-साथ कॉमेडियन कपिल शर्मा भी अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है। फिल्म की एक और खास बात यह है कि इसमें नीतू कपूर पहली बार अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है, जिसमें एक मजेदार और हटके कॉन्सेप्ट दिखाया गया है। पोस्टर के साथ कैप्शन में बताया गया है कि दादी सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं और पुराने नियमों को तोड़ रही हैं। कहानी में यह भी दिखाया जाएगा कि परिवार इस फैसले का समर्थन करता है या विरोध करता है, जिससे कॉमेडी और ड्रामा दोनों का तड़का लगेगा। फिल्म का संदेश अलग-अलग पीढ़ियों—जेनरेशन एक्स से लेकर जेन झेड तक को जोड़ने की कोशिश करता है, और उनके विचारों के टकराव व तालमेल को दर्शाता है। इस फिल्म में सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा के भी कई कलाकार शामिल हैं, जिससे इसकी स्टार कास्ट और भी मजबूत हो जाती है। इसमें सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया

खतीब जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म अपनी मजबूत स्टार कास्ट की वजह से पहले से ही सुर्खियों में है, जो इसे एक पैन-इंडिया अपील देती है। दादी की शादी 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की अधिकतर शूटिंग हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शिमला में की गई है, जिससे फिल्म को एक शानदार पहाड़ी बैकग्राउंड मिला है। शिमला के प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण ने फिल्म की कहानी को और भी आकर्षक बना दिया है।

उज्जैन संभाग

2 बच्चों की कीटनाशक गैस से मौत, 3 गंभीर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में कीटनाशक से बनी गैस से दो बच्चों की मौत हो गई, एक की हालत नाजुक है। हादसा इंदौर रोड स्थित त्रिवेणी हिल्स में लालचंद प्रजापत के घर हुआ। पुलिस के मुताबिक, बड़ी बेटी पूजा की शादी शाजापुर और छोटी बेटी रीना की शादी कायथा में हुई है। गर्मियों की छुट्टियां बिताने दोनों बहनें करीब 10 दिन पहले बच्चों के साथ मायके आई थीं। सोमवार रात सभी एक कमरे में सोए थे। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे सभी की तबीयत बिगड़ गई। डेढ़ माह की त्रिशा के मुंह से झाग निकला, उसे अस्पताल ले गए। उसने मंगलवार शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार सुबह 4 साल की अनिका उर्फ अन्नू की भी मौत हो गई। बच्चों का इलाज कर रहे डॉ. जितेंद्र शर्मा ने कहा- गेहूं में रखने वाले सल्फास से गैस बनती है। यदि कमरे में खिड़कियां नहीं हों तो दम घुट सकता है। कम उम्र के बच्चों में मौत संभव है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही सही कारण पता चलेगा।

बच्चों की नानी कला बाई प्रजापत ने रोते हुए बताया कि पूजा की बड़ी बेटी त्रिशा की मौत हो गई है और जेनिशा की हालत नाजुक है। रीना के तीन माह के बेटे रेहान का उज्जैन के अस्पताल में इलाज चल रहा है। बेटी अनिका की भी जान चली गई। बेटे नीतेश की 3 साल की बेटी येशु भी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने बताया कि एक हफ्ते पहले गेहूं में डालने के लिए दवा खरीदी थी। 4 क्विंटल गेहूं में सात पुड़िया रखी थीं। पता नहीं था कि यह जानलेवा बन जाएगी।

महाकाल मंदिर के पास अवैध कत्लखाने का खुलासा

छापे में काटने के लिए लाए गए बछड़े, मांस सहित धारदार हथियार बरामद; दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के महाकाल थाना क्षेत्र में चल रहे अवैध कत्लखाने पर पुलिस ने दबिश मारकर जिन्दा गाय के बछड़े सहित मौके से भारी मात्रा में मांस, धारदार हथियार और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा बरामद किया है। ख़ास बात ये की महाकाल मंदिर के पास किसी भी तरह के मांस विक्रय पर प्रतिबन्ध लगा हुआ है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई 12 अप्रैल की रात को की गई है। पुलिस इसमें गोपनीय तरीके से जांच कर रही थी।

पुलिस को महाकाल थाना क्षेत्र

के एक संदिग्ध मकान में चोरी-छिपे पशु काटे जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम ने दबिश दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। मकान के अंदर प्रवेश करने पर पुलिस को कटे हुए मांस के टुकड़े, खून के निशान और पशु कटाई में इस्तेमाल होने वाले धारदार हथियार मिले। आरोपी पाड़ों का मांस बेचने की तैयारी में थे। बता दें कि धार्मिक नगरी होने के कारण उज्जैन में बूचड़खाने पर पूर्णत: प्रतिबंध है।

आरोपियों ने किया भागने का प्रयास-पुलिस को देखते ही दोनों आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें तुरंत पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में मांस, कुल्हाड़ी, अन्य औजार और वजन करने वाला इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा जब्त किया गया।

पशुक्रूरता का प्रकरण दर्ज-पुलिस ने इस मामले में हाजी मुस्तकीम और वसीम बम्बईया नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों कोट मोहल्ला महाकाल क्षेत्र के निवासी हैं। उनके खिलाफ मध्य प्रदेश कृषि पशु परिरक्षण एवं पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 (घ) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नेटवर्क की जांच कर रही पुलिस-पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह अवैध कारोबार किस नेटवर्क के तहत संचालित हो रहा था और काटे गए मांस की आपूर्ति कहां की जानी थी।

बोर्ड नतीजों में उज्जैन के विद्यार्थियों का जलवा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • एमपी बोर्ड की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के साथ ही उज्जैन के विद्यार्थियों ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया है। विभिन्न संकायों और कक्षाओं में छात्रों ने स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य विभा शर्मा के अनुसार, कक्षा 12वीं के आर्ट संकाय में ज्योति यादव ने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा उत्कृष्ट विद्यालय की ही प्रभा पालीवाल ने गणित संकाय में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इन दोनों छात्राओं के प्रदर्शन ने विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया है। कक्षा 10वीं के परिणामों में आस्था, पिता राजेंद्र रांका ने प्रदेश में छठा स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा उर्वशी शर्मा को सातवां स्थान मिला, जबकि उत्कृष्ट विद्यालय की सृष्टि श्रीपाल ने दसवां स्थान प्राप्त किया है। उज्जैन जिले के अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागदा की कल्पना दाबिया ने सातवां स्थान हासिल किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चापाखेड़ा की शांति, पिता सीताराम और एम एजुकेशन भाटपचलाना की खुशबू कुमार ने नौवां स्थान प्राप्त किया। सरस्वती स्कूल तराना के महेश गंगा सिंह और कनासिया निवासी यथार्थ भावसार ने दसवां स्थान हासिल किया है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालयों में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया।

कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब होते दिख रहा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ऐसा क्रांतिकारी निर्णय बताया, जिसने सदियों के इंतजार को समाप्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कड़े और सीधे शब्दों में कहा यदि कांग्रेस विरोध करेगी तो जनता में गलत संदेश जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय साधारण नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को सींचने वाला है। हम अब तक 1971 की जनगणना के आधार पर चल रहे परिसीमन को ढो रहे थे, लेकिन अब नया परिसीमन हमारे लोकतंत्र को नई ऊर्जा और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। यह अधिनियम हमारी बहनों के लिए वह द्वार खोलेगा, जहां से आधी आबादी को शासन और नीति-निर्धारण में अपना पूरा बल और अधिकार मिलेगा।'

विपक्ष की दोहरी राजनीति पर गरजते हुए डॉ. यादव ने कहा, 'कांग्रेस की नीति और नियत में हमेशा से फर्क रहा है। वे कहते तो हैं कि हम महिला आरक्षण चाहते हैं, लेकिन उनकी नीयत में खोट साफ दिखाई देती है।

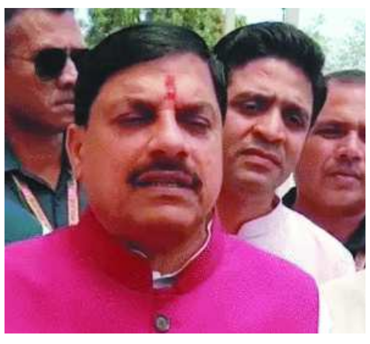

आज वे बेनकाब हो चुके हैं। जिस बिल को सर्वसम्मति से पारित कर एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए था, उस पर कांग्रेस मीन-मेख निकाल रही है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर कोई बात है तो सदन के फ्लोर पर कहें, जनता के बीच जाकर इस क्रांतिकारी कदम का विरोध करना आपकी महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण है।'

मुख्यमंत्री ने इतिहास के घावों को कुरेदते हुए तीखा हमला बोला: 'कांग्रेस यह न भूले कि तीन तलाक जैसी अमानवीय प्रथा को ढोने और उसे संरक्षण देने का पाप उन्हीं के माथे पर है। आज जब हमारी सरकार बहनों को सशक्त कर रही है, तब भी कांग्रेस को पीड़ा हो रही है। आधी आबादी सब देख रही है और वह सोच रही है कि आखिर कांग्रेस उनका अहित क्यों चाहती है? यही कारण है कि जनता का भरोसा खोने की वजह से कांग्रेस का जनाधार लगातार गिरता जा रहा है।'

हम जो करते हैं, खुले मन से कहते हैं- सशक्तिकरण हमारी प्रतिबद्धता

अपनी सरकार और पार्टी का पक्ष रखते हुए डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया, 'भारतीय जनता पार्टी और हमारे प्रधानमंत्री जी की महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रतिबद्धता चट्टान की तरह अडिग है। हम राजनीति के लिए काम नहीं करते, हम समाज सुधार के लिए निर्णय लेते हैं। जो हम करते हैं, वह खुले मन से और पूरी स्पष्टता के साथ कहते हैं। यह अधिनियम महिलाओं के सम्मान और भागीदारी का वह नया अध्याय है, जिसे अब कोई भी नकारात्मक राजनीति नहीं रोक पाएगी।'

ढाई सेंटीमीटर के बादाम पर उकेरे 12 ज्योतिर्लिंग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन से एक ऐसी प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जो साबित करती है कि सीमित संसाधन कभी असीमित प्रतिभा को नहीं रोक सकते। इस युवक ने कभी अपराधियों को पकड़वाने के लिए पुलिस की मदद हेतु स्केच बनाए थे, उसी गौरव महावर ने अब माइक्रो आर्ट के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मात्र 2.5 सेंटीमीटर आकार के बादामों पर एक्रेलिक रंगों और माइक्रोस्कोप की मदद से 12 ज्योतिर्लिंगों की अत्यंत सूक्ष्म और सुंदर कलाकृतियां उकेरकर वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस उपलब्धि को इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दे दी है, जबकि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की प्रक्रिया जारी है। गौरव महावर ने बताया कि इस रिकॉर्ड का शीर्षक द्वादश ज्योतिर्लिंग सनातन संहिता रखा गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

जनगणना प्रशिक्षण से अनुपस्थित 720 प्रगणकों व सुपरवाइजरों पर कार्रवाई शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले 720 प्रगणकों और सुपरवाइजरों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर आयुक्त नगर निगम श्री एन.एन. पांडे ने जानकारी दी कि उक्त सभी अनुपस्थित कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के शेष दो दिनों में शामिल होने का अंतिम अवसर दिया गया है। यदि वे निर्धारित अवधि में प्रशिक्षण में शामिल नहीं होते हैं, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी नियुक्त कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

मंत्री सिलावट ने जल गंगा संवर्धन अभियान के विकास कार्यों समीक्षा की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जल संरक्षण और संरक्षण के कार्यों में तेजी लायी जाए। कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान रखा जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। बताया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2026 तक चलेगा जिसमें अन्तर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन किया जाना है। इसका उद्देश्य नदियों और तालाबों और पारम्परिक जल स्रोतों का संरक्षण और जीर्णोद्धार करना है। यह अभियान भूजल स्तर में सुधार, जल स्रोतों के शुद्धिकरण और हरित क्षेत्र निर्माण के लिए जन आन्दोलन-जनभागीदारी से होगा।

राप्रसे के 13 अफसरों को होगा आईएएस अवार्ड, इस बार भी गैर राप्रसे अधिकारी नहीं बन पाएंगे आईएएस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्य प्रशासनिक सेवा (SAS) के 13 अफसरों को आईएएस में पदोन्नत करने के लिए जल्द ही DPC (डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी) होने जा रही है। हर बार की तरह इस बार भी राप्रसे संघ के विरोध के चलते NON-SAS अफसरों को आईएएस में पदोन्नत होने का मौका नहीं मिलेगा, यानी पूरी प्रक्रिया अब केवल SAS अधिकारियों तक सीमित रहेगी।

राज्य सरकार हर साल एक तय प्रक्रिया के तहत SAS अधिकारियों को प्रमोट कर IAS बनाती है। इसके लिए DPC बैठती है, जिसमें योग्य अधिकारियों के नामों पर विस्तार से विचार होता है। इस बार कुल 13 पद खाली हैं, जिन पर प्रमोशन होना है और इन्हीं के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया चल रही है।

पहले कयास लगाए जा रहे थे कि कुछ पदों पर Non-SAS को भी मौका मिल सकता है। लेकिन एसएएस संघ के विरोध के चलते Non-SAS का मामला इस बार भी अटक गया। अब केवल राज्य प्रशासनिक सेवा (SAS) कोभी आईएएस अवार्ड होगा। जीएडी ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है जल्द ही डीपीसी के लिए यूपीएससी को

भेजा जाएगा। यूपीएससी को 13 अफसरों को आईएएस अवार्ड करने के लिए 39 नाम भेजे जाएँगे। दरअसल डीपीसी में एक पद के लिए 3 नाम जोन ऑफ कंसीडेरेशन में भेजे जाते है।

जयेंद्र कुमार विजयावत, मनोज मालवीय, कमल चंद्र नगर, मिनिषा पांडेय, इला तिवारी, सपना एम. लोवंशी, नीता राठौर, रानी पासी, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, वर्षा सोलंकी, प्रियंका गोयल, अभिषेक दुबे, नरोत्तम प्रसाद भार्गव।

आईएएस अवार्ड के लिए होने वाली डीपीसी में जिन 39 नामों पर विचार होगा उनमें जयेंद्र कुमार विजयावत, मनोज मालवीय, कमल चंद्र नगर, मिनिषा पांडेय, इला तिवारी, सपना एम. लोवंशी, नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, रानी पासी, रंजना देवड़ा, माधवी नागेंद्र, वर्षा सोलंकी, प्रियंका गोयल, अभिषेक दुबे, नरोत्तम प्रसाद भार्गव, निधि सिंह राजपूत, निमिषा जायसवाल, संदीप कुमार सोनी, रिंकिश कुमार वैश्य, माया अवस्थी, भूपेंद्र कुमार गोयल, विवेक कुमार रघुवंशी, प्रदीप जैन, अखिलेश कुमार जैन, डॉ. अभय सिंह खरारी, रजनीश कसेरा, एकता जायसवाल, हृदयेश कुमार श्रीवास्तव, लता शरणागत, महीप किशोर तेजस्वी, मिलिंद कुमार नागदेवे, राज कुमार खत्री, कृष्ण कुमार रावत, डॉ. इच्छित गढ़पाले, विशाल चौहान, महताब सिंह गुर्जर, अतेंद्र सिंह गुर्जर सुरभि तिवारी,वंदना मेहरा का नाम शामिल है। अब सभी की नजरें DPC बैठक पर टिकी हैं। कि इन 39 नामों में से किन 13 अधिकारियों को IAS अवार्ड होगा।

तीन मुद्दों को लेकर शहर आंदोलित : डेली कालेज में बवाल, छात्र भड़के

संविधान संशोधन को लेकर डीसी में बवाल

कई ओल्ड डेलियंस पहुंचे नाराजगी जताने

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डेली कॉलेज के आंतरिक विवादों का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब ओल्ड डेलियंस (पुराने छात्र) ने मोर्चा खोलता हुए बॉयलाज (संविधान) संशोधन को लेकर एतराज जताते हुए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से संस्था हित में निष्पक्ष जांच के लिए गुहार लगाई है।

पुराने छात्र हुए एकत्र-गुरुवार सुबह डेली कॉलेज के प्रवेश द्वार पर बड़ी संख्या में पुराने छात्र एकत्रित हुए और उन्होंने संविधान में संशोधन की वैधता, प्रक्रिया और समय को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनका कहना है कि कुछ लोग संस्था में बने रहने के लिए लगातार संशोधन कर रहें है जो कि नियमों के विरूद्ध है। पूर्व छात्रों का यह भी कहना था कि वित्तीय पारदर्शिता और गवर्नेंस से जुड़े मुद्दों पर भी नियम अनुसार कार्य नहीं हो रहा है। निराधर शिकायत और एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। इससे संस्था की देशभर में छवि खराब हो रही है। पूर्व छात्रों ने हाथों में तख्तिया लिए हुए नाराजगी जाहिर करते हुए विरोध दर्ज कराया। इन पुराने छात्रों का कहना था कि संस्था में उनके अधिकारों को सीमित किया

जा रहा है यह ठीक नहीं है। प्राचार्य से मिलकर विरोध दर्ज करवाएंगे, वहीं कलेक्टर और मुख्यमंत्री को भी अनियमितताओं की जानकारी देंगे।

डेली कॉलेज में जबरन प्रवेश की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया-वहीं दूसरी ओर डेली कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि जबरन प्रवेश की घटना ने जहां एक ओर संस्था की गरिमा और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर ओल्ड डेलियन्स के एक बड़े वर्ग ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी स्पष्ट और कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है। डीसी सोसायटी के अनुसार, एक निर्धारित बैठक के लिए केवल 5 प्रतिनिधियों को अनुमति दी गई थी, लेकिन इसके विपरीत संदीप पारेख के नेतृत्व में लगभग 35-40 लोगों का समूह विद्यालय परिसर में पहुंच गया। यह घटना उस समय हुई जब परिसर में विद्यार्थी और छोटे बच्चे मौजूद थे। सोसायटी ने इसे एक सुनियोजित दबाव बनाने की कोशिश बताते हुए कहा कि इस प्रकार का व्यवहार न केवल अनुचित है, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और शैक्षणिक वातावरण के लिए भी गंभीर खतरा है। सोसायटी का कहना है कि विद्यालय परिसर किसी भी प्रकार के शक्ति प्रदर्शन या दबाव की राजनीति का स्थान नहीं है। सीमित प्रतिनिधिमंडल की सहमति के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों का प्रवेश संवाद की भावना के विपरीत है और यह संस्था की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास दर्शाता है।

सीएम से मांग-इसी घटनाक्रम के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि करीब 400 ओल्ड डेलियन्स ने हस्ताक्षरित शिकायत प्रस्तुत कर संदीप पारेख को तत्काल प्रभाव से बोर्ड से हटाने की मांग की है। यह शिकायत मुख्यमंत्री एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को भी भेजी जा रही है, ताकि इस मामले में उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। वहीं शुक्रवार को डेली कॉलेज के अध्यक्ष विक्रम सिंह पंवार मीडिया से बातचीत करने वाले है और इस पूरे घटनाक्रम पर अपना स्पष्टीकरण दे सकते है।

सिटी बस पास 400 रुपए महंगा, छात्र भड़के, नगर निगम मुख्यालय में प्रदर्शन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में सिटी बस पास का दाम 400 रुपए बढ़ने से छात्र नाराज है। इसके विराध में छात्र नगर निगम मुख्यालय पहुंचे और विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। सिटी बस पास का दाम करने के लिए उन्होंने ज्ञापन भी दिया। छात्रों के हाथों में तख्तियां थी, जिस पर लिखा था छात्रों को..ऋरू मशीन समझना बंद करो..., छात्रों के साथ अन्याय के खिलाफ एकजुट हो।

प्रदर्शन करने वालों का कहना था कि जो छात्र अपने सपनों को पूरा करने के लिए यहां आए हैं, वे एक टाइम भूखा रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। प्रशासन ने एक बार भी नहीं सोचा कि सिटी बस के पास का दाम बढ़ाने से इन छात्रों का क्या होगा। मूसाखेड़ी से जीडीसी कॉलेज छात्राएं जाती है, दोनों तरफ का किराए 50 रुपए रोज का लगता है, क्या ये छात्राएं इतना किराया रोज का दे सकती है। नगर निगम इतना टैक्स ले रहा है, उसमें क्या छात्रों का बस पास माफ नहीं किया जा सकता है। जयस छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष पवन अहिरवार ने बताया कि महापौर बस पास योजना को खत्म कर दिया है। स्टूडेंट्स पास जो 200 रुपए का था, उसे 600 रुपए कर दिया गया है। निगम अधिकारियों के लिए महापौर के लिए ये 600 रुपए आम राशि होगी, लेकिन इंदौर में जो गरीब व मध्यमवर्ग का छात्र यहां रहकर पढ़ाई कर रहा है। 600 रुपए किसी छात्र के माता-पिता की तीन दिन की दिहाड़ी-मजदूरी हो सकती है। इसलिए जो पास में वृद्धि की है, उसे कम करने की मांग लेकर नगर निगम आए।

चौराहे की समस्या बताई, सफाई की मांग की

इसके साथ ही उन्होंने भंवरकुआं स्थित टंट्या भील चौराहे पर गंदगी फैली हुई है। यहां पानी, सफाई की व्यवस्था है। नगर निगम से मांग की है कि यहां साफ-सफाई की व्यवस्था की जाए। तमाम छात्र संगठन द्वारा ज्ञापन दिया है, अगर कार्रवाई नहीं की जाती है तो 15 दिन बाद सभी छात्र संगठन द्वारा नगर निगम का घेराव करेंगे। फिर भी मांग नहीं मानी तो भोपाल कूच करेंगे।

***निगम कमिश्नर-महापौर तक पहुंचाएंगे छात्रों का ज्ञापन**-वीरेंद्र उपाध्याय, प्रभारी कंट्रोल रूम ने बताया कि छात्रों का कहना था कि सिटी बसों के जो पास बनते हैं उसमें 400 रुपए की वृद्धि की गई है। इस संबंध में छात्रों ने ज्ञापन दिया है। ये ज्ञापन नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल और महापौर पुष्यमित्र भार्गव तक पहुंचा दिया जाएगा। वहीं चौराहे को लेकर जो शिकायत की है, उसका निराकरण करा दिया जाएगा।*

बाबा साहब आंबेडकर का स्टेटस लगाने पर विवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एरोड्रम थाना क्षेत्र के भोलेनाथ कॉलोनी में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सोशल मीडिया पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का स्टेटस लगाने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि महिला को डेढ़ माह के नवजात बच्चे के साथ घर से निकाल दिया गया। पीड़िता गुरुवार शाम थाने पहुंची। परिवार के अनुसार पीड़िता की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी और दोनों का विवाह अंतर्जातीय था।

ननदों ने जताई थी आपत्ति-बताया जा रहा है कि 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती पर पीड़िता ने अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर बाबा साहब का चित्र लगाया था, जिस पर परिवार की दो ननदों ने आपत्ति जताई और उसे हटाने का दबाव बनाया। मामला बढ़ने पर विवाद गहरा गया। आरोप है... इसी विवाद के बाद पति ने पीड़िता के साथ अभद्र व्यवहार किया और तलाक देने की धमकी दी। इसके बाद उसे डेढ़ माह के बच्चे के साथ घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत कोर्ट में मामला दर्ज कराने की सलाह दी, वहीं थाना प्रभारी तरुण बघेल ने मामले में जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इंदौर। फिल्मी कलाकार आशीष विद्यार्थी इंदौर के राजवाड़ा पर नजर आए।

आज सुबह मैदान में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित स्कीम नंबर 136 में शुक्रवार सुबह एक मजदूर का शव खाली मैदान में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में मृतक की सिर कुचलकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। लसूड़िया पुलिस को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि बगीचे के पास खाली मैदान में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक का सिर बुरी तरह कुचला गया है। प्राथमिक तौर पर इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि शराब पीने के बाद हुए विवाद में हत्या की गई हो सकती है।

इंदौर में गीताभवन पर कैफे में लगी आग

सिलेंडर ब्लास्ट से नुकसान बढ़ा मल्हारगंज के फ्लैट में भी लगी आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के गीताभवन क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात एक कैफे में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस दौरान सिलेंडर फटने से बड़ा धमाका भी हुआ, हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

फायर ब्रिगेड के अनुसार, रात करीब 2:15 बजे सूचना मिली कि गीताभवन मंदिर के पास स्थित एक कैफे में आग लगी है। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया, लेकिन तब तक शेड और अंदर का सामान पूरी तरह जल चुका था।

दो टैंकर पानी से आग पर काबू पाया-दमकल विभाग ने करीब दो टैंकर पानी डालकर आग को कंट्रोल किया। सूचना पर पलासिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

मल्हारगंज के फ्लैट में भी लगी आग-इसी रात मल्हारगंज क्षेत्र के गोपाल चौराहे के पास एक फ्लैट में आग लग गई। आग से घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। फ्लैट में किराए से रहने वाला बंसल परिवार समय रहते बाहर निकल गया। फायर ब्रिगेड ने करीब 10 हजार लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

कृष्णपुरा छत्री से लेकर नंदलालपुरा तक फिर हो रहा अतिक्रमण रोजाना लग रहा जाम

ट्रैफिक जाम नहीं हो इसलिए 4 करोड़ की लागत से बनाई थी नंदलालपुरा सब्जी मंडी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम द्वारा कृष्णपुरा छत्री से लेकर नंदलालपुरा तक चौराहे पर यातायात जाम नहीं हो इसलिए साल 2018 में नगर निगम ने नंदलालपुरा में 4 करोड़ रुपए की लागत से नई सब्जी मंडी बनाई। मंडी में लगभग 100 से अधिक दुकानें बनाई जहां पूरे सब्जी व्यापारियों के साथ उन्हें स्थान दिया गया जो रोड पर दुकानें लगाते थे। सब्जी मंडी बनने के बाद सड़क से अतिक्रमण हटाया गया। रोड को चौड़ा किया गया, लेकिन 8 साल बीतने के बाद यहां स्थिति पहले जैसी हो गई है। मतलब जितने दुकानदार मंडी में हैं, उतने ही अब मंडी के बाहर और सड़क पर फिर से दुकानें लगा चुके हैं, जिससे जाम और अतिक्रमण की समस्या वापस खड़ी हो गई।

निगम की ढील और अधूरी कार्रवाई बनी वजह-स्थानीय रहवासी हिमांशु पंचोली के अनुसार नगर निगम की सख्ती में कमी और पुराने अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हटने के कारण यह स्थिति बनी है। पूर्व निगम आयुक्त आशीष सिंह के कार्यकाल में कृष्णपुरा छत्री से नंदलालपुरा मंडी तक अतिक्रमण हटाकर दुकानदारों को शिफ्ट किया गया था, लेकिन वीर सावरकर मार्केट की दुकानों

को नहीं हटाया गया। कोविड काल के दौरान निगम की सख्ती कम हुई, जिसका फायदा उठाकर विक्रेताओं ने मंडी के आसपास फिर से कब्जा कर लिया। अधिकारियों के तबादलों के बाद इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

रोज शाम को लगता है जाम-चौराहे पर कोरियर सर्विस संचालित करने वाले देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि कृष्णपुरा छत्री के आसपास, मंडी के पास, पार्किंग स्थल और मुख्य चौराहे पर रोज शाम को जाम की स्थिति बन जाती है। आम विक्रेता कहीं भी दुकान लगा लेते हैं और पार्किंग की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण अधिकारी सख्त कार्रवाई नहीं करते, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

छोटी अस्थायी मंडियों की जरूरत-स्ट्रक्चरल इंजीनियर अतुल सेठ का मानना है कि शहर में अब बड़े बाजारों के बजाय छोटे-छोटे हॉकर्स जोन और अस्थायी सब्जी मंडियां विकसित करने की आवश्यकता है। सड़कों पर लगने वाली अनियोजित मंडियों के कारण यातायात लगातार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि मूसाखेड़ी, मालवा मिल, पाटनीपुरा, एमआर-9 और भी नाका जैसे क्षेत्रों में भी अतिक्रमण तेजी से बढ़ रहा है।

निगम ने फिर कार्रवाई का दिया आश्वासन

नगर निगम के मार्केट विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि वीर सावरकर मार्केट क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण की योजना के चलते पहले कार्रवाई नहीं की गई थी। वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा और यातायात पुलिस से भी फीडबैक लिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।